भास्कर एक्सक्लूसिव • रेलवे वर्कशॉप के आधुनिकीकरण के लिए मांगे 20 करोड़, एलएचबी कोच के मेंटेनेंस का काम भी मिल सकता है

आम बजट में कोटा को मिलेंगी नई ट्रेनें; मुंबई गरीब रथ समेत अलवर और पटना के लिए नई गाड़ी, 2 प्राइवेट ट्रेनों पर भी हो सकता है फैसला

सुनील राजा | कोटा

केंद्र सरकार एक फरवरी को आम बजट पेश करेगी। रेल बजट भी इसमें शामिल होगा। इस बार आम बजट में कोटा रेल मंडल के लिए कई घोषणाएं हो सकती हैं। कोटा से मुंबई के बीच गरीबरथ और कोटा से जयपुर होते हुए अलवर के लिए नई इंटरसिटी ट्रेन मिल सकती है। इसके अलावा कोटा से कटनी, इलाहाबाद और पटना के लिए नई ट्रेन मिल सकती है। बिजली के इंजन के रखरखाव के लिए नया लोको शेड, मेमो कोच के रख-रखाव के लिए शेड की घोषणा की सकती है। माल डिब्बा मरम्मत कारखाना को एलएचबी कोच की मरम्मत की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। साथ ही माल डिब्बा मरम्मत कारखाना के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ रुपए मांगे हैं।

कोटा-अलवर इंटरसिटी ट्रेन सुबह लगभग 6 बजे रवाना होगी। यह सुबह 9.30 बजे जयपुर पहुंचेगी। इसको दयोदय एक्सप्रेस के विकल्प के रूप में चलाना प्रस्तावित है। दयोदय एक्सप्रेस कोटा से सुबह 7.40 बजे रवाना होकर जयपुर 11.40 बजे पहुंचती है। गरीब रथ चलने से कोटा से मुंबई की सीधी ट्रेन मिल जाएगी। कोटा से पटना वाया कटनी, इलाहाबाद ट्रेन चलाई जा सकती है।

कोटा से दिल्ली व जयपुर चल सकती हैं प्राइवेट ट्रेन

बजट में प्राइवेट ट्रेनों के बारे में फैसला हो सकता है। देशभर में 150 नई प्राइवेट ट्रेन चलाई जानी हैं। इसके लिए 100 रूट तय हो गए हैं। अब रूट के बारे में बोली लगाई जानी है। कोटा से दिल्ली व जयपुर के लिए प्राइवेट जनशताब्दी एक्सप्रेस चलाई जा सकती है।

कोटा रेलवे स्टेशन पर बनेगा बजट होटल, सर्कुलेटिंग एरिया का भी विकास होगा

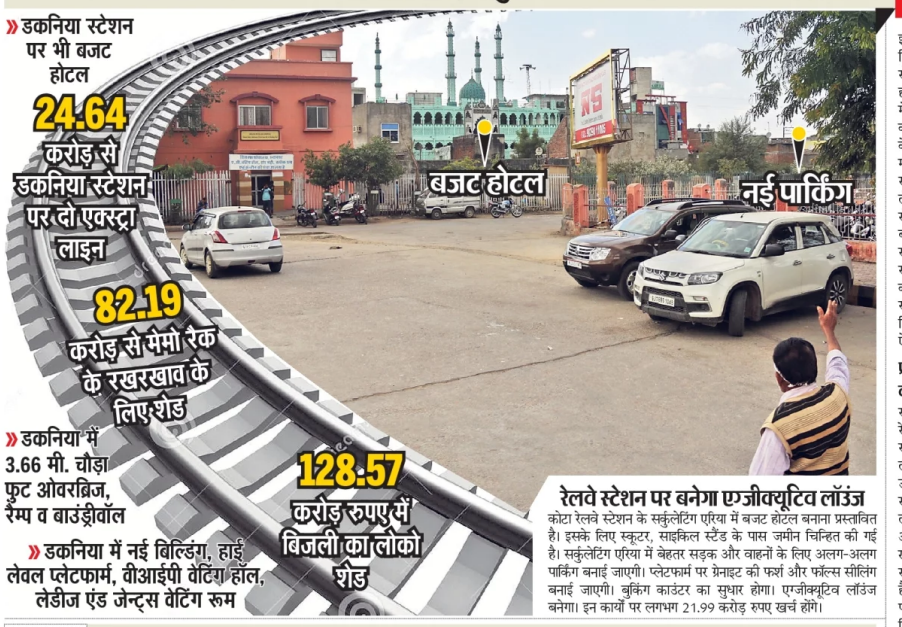

रेलवे स्टेशन पर बनेगा एग्जीक्यूटिव लॉउंज

कोटा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में बजट होटल बनाना प्रस्तावित है। इसके लिए स्कूटर, साइकिल स्टैंड के पास जमीन चिन्हित की गई है। सर्कुलेटिंग एरिया में बेहतर सड़क और वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग बनाई जाएगी। प्लेटफार्म पर ग्रेनाइट की फर्श और फॉल्स सीलिंग बनाई जाएगी। बुकिंग काउंटर का सुधार होगा। एग्जीक्यूटिव लॉउंज बनेगा। इन कार्यों पर लगभग 21.99 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

इन नए रूट्स पर चल सकती हैं प्राइवेट ट्रेन

» प्राइवेट ट्रेन चलाने के लिए लंबी दूरी के कई रूट को चुना गया है। इसमें मुंबई-कोलकाता, मुंबई-चेन्नई, मुंबई-गुवाहाटी, नई दिल्ली-मुंबई, तिरुअनंतपुरम-गुवाहाटी, नई दिल्ली-कोलकाता, नई दिल्ली-बेंगलुरु, नई दिल्ली-चेन्नई, कोलकाता-चेन्नई और चेन्नई-जोधपुर शामिल हैं।

» अन्य रेल मार्ग में मुंबई-वाराणसी, मुंबई-पुणे, मुंबई-लखनऊ, मुंबई-नागपुर, नागपुर-पुणे, सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम, पटना-बेंगलुरु, पुणे-पटना, चेन्नई-कोयंबटूर, चेन्नई-सिकंदराबाद, सूरत-वाराणसी और भुवनेश्वर-कोलकाता शामिल हैं।

» सारा ही नई दिल्ली से पटना, इलाहाबाद, अमृतसर, चंडीगढ़, कटरा, गोरखपुर, छपरा और भागलपुर रेल रूट पर भी निजी ट्रेन चल सकती हैं।

» इन 100 में से 35 रूट नई दिल्ली से कनेक्ट होंगे। 26 रूट मुंबई से, 12 कोलकाता से, 11 चेन्नई से और आठ बेंगलुरू से कनेक्ट होंगे। कुछ अन्य प्रस्तावित रूट्स में गोरखपुर-लखनऊ, कोटा-जयपुर, चंडीगढ़-लखनऊ, विशाखापट्टनम-तिरुपति और नागपुर-पुणे शामिल हैं।

रेलवे को मिल सकते हैं 80 हजार करोड़

इस बार के बजट में रेलवे को मिलने वाली आर्थिक मदद में 10 से 15 फीसदी तक तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा, रेलवे में निजी निवेश बढ़ाने के कई कदमों की घोषणा की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, इस बार रेलवे ने वित्त मंत्रालय से करीब एक लाख करोड़ रुपए की बजटीय सहायता मांगी, लेकिन वित्त मंत्रालय 75,000 से 80,000 करोड़ रुपए तक का बजट दे सकता है। इसके साथ 50 स्टेशनों को प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर उसमें वर्ल्ड क्लास की सुविधाओं की घोषणा की जा सकती है। इस बार रेलवे में निजी निवेश बढ़ाने की कई योजनाओं का ऐलान भी किया जा सकता है।

प्राइवेट कंपनियों को देंगे ट्रेन व स्टेशनों की सफाई का काम

सूत्रों के अनुसार, बजट को लेकर रेलवे और वित्त मंत्रालय ने अंतरिम सर्वे कराया था, जिसमें अधिकतर लोगों ने साफ तौर पर कहा था कि उन्हें नई रेल से ज्यादा रेल और स्टेशनों में सफाई चाहिए। अधिकतर लोगों का कहना था कि स्टेशनों और रेल में सफाई का स्तर बहुत खराब है। इस कारण उन्हें रेल में सफर करने में काफी तकलीफ होती है। लोगों का यह भी कहना था कि पहले से जितनी ट्रेनें चल रही हैं, जितने स्टेशन हैं, उनको तो सही किया जाए, बाद में नई ट्रेन चलाने के बारे में फैसला किया जाए। इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर इस बार रेल बजट में स्टेशनों और ट्रेनों की साफ-सफाई पर खास ध्यान जाएगा। इनको प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर सुधारा जाएगा।